हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शनिवार, 07 नवंबर 2020, *नगर/गाजियाबाद, पांच प्रदेश, 21 संस्करण

www.livehindustan.com

डिजिटल पर जोर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर पेशेवरों से अपने ग्राहकों को डिजिटल तरीके से भुगतान करने के लिये प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने कहा, इससे हर लेन-देन नोटिस में आता है।

औद्योगिक विकास मंत्री ने यमुना प्राधिकरण की समीक्षा बैठक ली, नई परियोजना की डीपीआर बनवाने के निर्देश दिए

एक्सप्रेस वे के किनारे हेरिटेज कॉरिडोर बनेगा

तैयारी

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे हेरिटेज कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इस कॉरिडोर को दिल्ली से भी जोड़ा जाएगा ताकि दिल्ली आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों को गौतमबुद्ध नगर, मथुरा, वृंदावन और आगरा तक लाया जा सके। अगर कोई मथुरा-वृंदावन-आगरा नहीं जाना चाहता है तो उसे यमुना एक्सप्रेस वे पर ही इन शहरों का एहसास हो सके।

औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने यमुना प्राधिकरण से हेरिटेज कॉरिडोर की डीपीआर बनवाने के लिए कहा है ताकि इस परियोजना पर आगे बढ़ा जा सके। औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने शुक्रवार को यमुना प्राधिकरण की समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में हेरिटेज कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है।

महाना ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर में तमाम ऐसी साइट उपलब्ध हैं, जिनका संबंध महाभारत और रामायणकालीन घटनाओं से है। मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म स्थान और उनके जीवन से जुड़ी तमाम चीजें हैं। आगरा का ताजमहल देखने पर्यटक जरूर पहुंचते हैं। ऐसे में यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे हेरिटेज कॉरिडोर से गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा और हाथरस जिलों में पर्यटन गतिविधियां तेजी के साथ बढ़ेंगी। साथ ही, स्थानीय युवाओं, कलाकारों, उद्यमियों और निवेशकों को नए रास्ते मिलेंगे।

यमुना प्राधिकरण में शुक्रवार को समीक्षा बैठक में परियोजनाओं के बारे में जानकारी लेत औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना और सांसद डॉ. महेश शर्मा। ● हिन्दुस्तान

टप्पल, मथुरा और आगरा फोकस में रहेंगे यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे टप्पल, मथुरा व आगरा में कई नई चीजें बनाई जाएंगी। यहां करीब 2500-2500 एकड़ में पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाएंगे। टप्पल, मथुरा और आगरा पर यह परियोजना फोकस रहेगी। आगरा में यहां पर चोखी ढाणी जैसे स्थान विकसित किए जाएंगे ताकि एक्सप्रेस वे से गुजरने वाले लोग इनका लुत्फ लेते हुए अपने सफर को आगे बढ़ा सकें।

सुविधाएं बढ़ाने पर जोर रहेगा : हेरीटेज कॉरिडोर परियोजना में पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। यहां अच्छे होटल और रेस्टोरेंट शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा आवागमन के साधनों को और दुरुस्त किया जाएगा। प्रदेश सरकार यातायात सुविधाओं को सुगम करेगी ताकि लोगों यहां पहुंचने में सुविधा मिल सके और उन्हें कोई दिक्कत न उठानी पड़े।

पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की तैयारी : महाना ने बताया कि यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह से हेरिटेज कॉरिडोर की डीपीआर बनाने के लिए कहा गया है। उम्मीद है कि अगर दो महीने में डीपीआर बन जाएगी। इसके बाद कॉरिडोर की परिकल्पना को धरातल पर लाया जा सकेगा। इसको पीपीपी मॉडल पर विकसित किया जा सकता है। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला डीपीआर बनने के बाद लिया जाएगा।

परियोजना की परिकल्पना

आगरा

यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे आगरा के पास एक केंद्र विकसित किया जाएगा। यहां पर आगरा शहर की पुरानी चीजों को बनाया जाएगा। यहां पर चोखी ढाणी जैसे स्थान विकसित किए जाएंगे।

मथुरा

महाभारत कालीन चीजों को यहां पर लाया जाएगा। यहां के मंदिरों और श्रीकृष्ण से जुड़ी हुई चीजों को इस केंद्र में लाया जाएगा ताकि यहां से गुजरने वाले लोग मथुरा वृंदावन जाए बिना भी वहां की अनुभूति कर सकें।

टप्पल

टप्पल के पास एक केंद्र विकसित किया जाएगा। यहां द्रोण नगरी दनकौर का इतिहास समेटे चीजें होंगी। यहां अलीगढ़ की प्रसिद्ध चीजों को भी लाया जाएगा। डीपीआर बीपीआर में इन सब चीजों की जानकारी रखी जाएगी।

2500

एकड़ में पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाएंगे